शाबर महाकाली मन्त्र दिव्य प्रयोग -:

By 💖 Prakash Ji 💖

☞साधकों के लिए-:
जहां पर दो नदियों का संगम हुआ है उस संगम स्थल का मिट्टी लाएं.... इस मिट्टी से भगवती काली का 10 भुजा मूर्ति तैयार करें। भगवती का नित्य पूजन करें 16 श्रृंगार भेंट करें। चिमटास्वरुपी गुरु गोरखनाथ का पूजन करना ना भूलें..... लाल गुड़हल का फुल.... तथा अन्य लाल वस्तु से भगवती को प्रसन्न करें।स्वशरीर का अंग रक्त प्रदान करें ।ईसके अभाव में कुष्मांड फल का बली दें। कम से कम मंत्र का 125000 जाप करें। मंत्र जाप किसी पर्व काल से प्रारंभ करें। किसी भी स्वरूप में आकर भगवती 3 महीने के अंदर निश्चित रूप से दर्शन देते हैं। जो भी मनोकामना है वह अवश्य पूरी होती है।माला रुद्राक्ष की अथवा रक्त चंदन की उपयोग करें।

☞उपासक/आराधक/तथा साधारण व्यक्ति विशेषों केलिए -: बाजार से भगवती का 10 भुजा वाली एक शांत फोटो चित्र खरीद लाइए। उत्तर दिशा में स्थापित कर दीजिए। आप पश्चिम दिशा में बैठकर अपनी मुख पूर्व की ओर कीजिए। जैसे नित्य पूजा चना करते हैं उसी भांति पूजार्चना करें। हर शनिवार अनार काटकर भगवती को अर्पित करें। नित्य प्रतिदिन एक माला मंत्र का जाप करें। 3 महीने के अंदर भगवती का कृपा निश्चित रूप से बरषती है..... प्राणी जी मनोकामना से देवी का पूजन करता है प्राणी का वह मनोकामना अवश्य पूरी होता है। छंद कपट इर्षा द्वेष आदि से दूरी बनाकर भगवती का आराधना में तत्पर रहिए। माला रुद्राक्ष की अथवा रक्त चंदन की उपयोग करें। जो किसी भी प्रकार के मनोकामना को मन में ना रखते हुए भगवती का केवल नित्य एक माला जाप करता है वह भी प्रेम भाव से उसके ऊपर भगवती का प्रत्यक्ष कृपा रहता है और इस कृपा को आसपास के व्यक्ति भी महसूस करते हैं।

शाबर महाकाली दिव्यमन्त्र -:

सतनमों आदेश ॐ गुरु जी काली। महाकाली। भद्रकाली। दश भुजा पांच शीश। भयंकर रूप विकराल। एक कर खप्पर दूजे कर खाड़ा।तीजे कर शंख चौथे कर गदा।पाँचवे कर धनुष छठे कर तलवार।सातवे कर त्रिशूल आठवें कर ढाल। नौवे कर रक्त शीश दसवे कर चक्र।महामाई के विराट स्वरूप का ध्यान धरू। आओ-आओ महाकाली। बालक पाये दर्शन।ऋद्धि सिद्धि मान। श्री महाकाली मन्त्र पूर्ण भया। श्री गुरुगोरक्ष नाथ जी को आदेश। आदेश !